ये अव्यक्त इशारे

सन्तुष्टमणि बन सदा सन्तुष्ट रहो और सबको सन्तुष्ट करो

25-12-2024

संगमयुग है ही सन्तुष्टता का युग। तो सन्तुष्ट रहो और सबको सन्तुष्ट करो। आपस में कभी कोई खिटखिट न हो क्योंकि माला बनती है सम्बन्ध से। अगर दाने का दाने से सम्पर्क नहीं हो तो माला नहीं बन सकती। तो माला के मणके हैं इसलिए सम्बन्ध-सम्पर्क में भी सदा सन्तुष्ट रहना और सन्तुष्ट करना। आप सभी परिवार वाले हो, परिवार का अर्थ ही है सन्तुष्ट रहना और सन्तुष्ट करना।

Be a jewel of contentment, always remain content and make everyone content.

The confluence age is the age of contentment. Therefore, remain content and make everyone content. Let there not be any conflict amongst yourselves, because the garland is created through relationships. If one bead is not in connection with the next, then the garland cannot be prepared. You are the beads of the garland, and so you must therefore always remain content in your relationships and connections and make others content. All of you are part of a family, and a family means to remain content and make others content.